AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएससी, एमएससी एग्रीकल्चर की परीक्षा 13 केंद्रों पर होगी

लविवि ने वेबसाइट पर अपलोड किया पूरा ब्योरा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची बृहस्पतिवार रात जारी कर दी। साथ ही लविवि से संबद्ध पांच जिलों की परीक्षा व्यवस्था के लिए नोडल सेंटर भी तय कर दिए हैं। लविवि ने इसका ब्योरा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। शुक्रवार तक एडमिट कार्ड भी जारी कर दिए जाएंगे।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर परीक्षा के लिए 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इससे पहले बीएससी के लिए आठ केंद्र प्रस्तावित किए थे। अंतिम रूप देने के बाद बृहस्पतिवार को जारी किया गया। इसके अलावा लविवि ने 10 नोडल केंद्र भी बनाए हैं। परीक्षा छह जून से प्रस्तावित है।

छात्र आज जमा करें सेमेस्टर शुल्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2021-22 के सेमेस्टर चौथे, छठे, आठवें और 10वें के छात्रों को सेमेस्टर शुल्क जमा करने का अंतिम अवसर दिया है। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने बताया कि छात्र बिना विलंब शुल्क के तीन जून तक यूडीआरसी पोर्टल के माध्यम से सेमेस्टर शुल्क जमा कर सकते हैं। इसके लिए वे अपनी कक्षा के अनुसार विवि के प्राधिकारी कार्यालय से संपर्क कर ऑनलाइन अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। लखनऊ विवि की शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू हो गया है। विशेष रूप से अनुसंधान और विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विवि की यह महत्वाकांक्षी योजना है। केवल योग्य महिला शोधार्थियों के ही आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है। डीएसडब्ल्यू के वेबपेज पर दिए निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन गूगल फॉर्म के जरिए आवेदन करना होगा। छात्रवृत्ति की संख्या और चुनाव लविवि की समिति तय करेगी। आवेदनों की संख्या और राशि की उपलब्धता के आधार पर छात्रवृत्ति की संख्या तय की जाएगी। चयनितों को 5000 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। छात्रवृत्ति की प्रारंभिक अवधि एक वर्ष होगी और संबंधित विभागीय अनुसंधान समिति की सिफारिश पर दो वर्ष और बढ़ाई जाएगी। छात्रवृत्ति की निरंतरता के लिए उपस्थिति और शोध प्रगति संतोषजनक होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शोध मेधा छात्रवृत्ति उन तीन छात्रवृत्ति कार्यक्रमों में से एक है जिसे पहले चल रही निर्धन छात्र सहायता कोष के स्थान पर शुरू किया गया है। पहले चरण के अंतर्गत 10 छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

ये कर सकती हैं आवेदन

जो छात्राएं लविवि के मुख्य परिसर से पीएचडी कर रही हैं और जिन्होंने नेट या गेट या नेट एलएस उत्तीर्ण किया है। साथ ही किसी अन्य स्रोत से फेलोशिप, छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिल रही हो।

अंतिम तिथि 15 जून, शोध छात्राएं कर सकती हैं आवेदन

रसायन विज्ञान विभाग में कैंपस प्लेसमेंट छह को

लखनऊ। लखनऊ विवि का रसायन विज्ञान विभाग छह जून को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन करेगा। इसमें कोलकाता की टीसीजी साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पीजी के छात्रों का चयन करेगी। कैंपस प्लेसमेंट रसायन विभाग के नवीन भवन प्रेक्षागृह में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। छात्रों को नौ बजे रिपोर्ट करना होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि कंपनी पीजी के ऑर्गेनिक, इन ऑर्गेनिक, एनालिटिकल या फिजिकल रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता वाले नए पीजी छात्रों का चयन करेगी। प्री प्लेसमेंट टॉक के बाद लिखित एप्टीट्यूड टेस्ट होगा और व्यक्तिगत तकनीक साक्षात्कार। अंत में एचआर राउंड भी होगा। चयन के बाद कंपनी कोलकाता कार्यालय में छह महीने का सेवा प्रशिक्षण देगी। प्रोजेक्ट फेलो पद पर होंगे। प्रशिक्षण के बाद एनालिटिकल केमिस्ट के रूप में पदोन्नत किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान तीन लाख रुपये सालाना वेतन मिलेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE II

छात्रवृत्ति देने के लिए ऑनलाइन आवेदन

एलयू शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए गुरुवार को जारी किया आवेदन का प्रारूप

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (2 June): गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने रिसर्च कर रही छात्राओं की राह आसान कर दी है. यूनिवर्सिटी की ओर से शुरू हुई शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के लिए गुरुवार को आवेदन शुरू हो गये. यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के मुताबिक, शोध को बढ़ावा देने और विशेष रूप से अनुसंधान और विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए यूनिवर्सिटी ने यह पहल की है. इस छात्रवृत्ति की शुरुआत पिछले साल वीसी प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा की गई थी. डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है.

आवेदन करने के मानक

आवेदन करने वाली छात्राओं के लिए मानक भी निर्धारित किए गये हैं जिसमें नेट, गेट पास किया है. पीएचडी लखनऊ यूनिवर्सिटी से की हो. लखनऊ मुख्य परिसर में एक पंजीकृत छात्र के रूप में दर्ज हो, उसे किसी अन्य स्रोत से फेलोशिप या छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिल रही हो. छात्रवृत्ति की प्रारंभिक अवधि एक वर्ष के लिए होगी और संबंधित विभागीय अनुसंधान समिति की सिफारिश पर वार्षिक आधार पर दो और वर्षों के लिए बढ़ाई जाएगी.

CONCEPT PIC

पहले से कर रहे शोध

शोध मेधा छात्रवृत्ति उन तीन स्कॉलरशिप कार्यक्रमों में से एक है जिसे पहले चल रही निर्धन छात्र सहायता कोष के स्थान पर शुरू किया गया है. ध्यान रहे कि यह शोध मेधा छात्रवृत्ति कार्यक्रम का दूसरा चरण है और सत्र 2021-22 में प्राप्त 10 छात्र पहले से ही अपने शोध कार्य के लिए काम कर रहे है.

NBT PAGE 8

एक साथ योग करेंगे विद्यार्थी व शिक्षक

■ **एनबीटी, लखनऊ :** 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के 75 महाविद्यालयों में योग कार्यक्रम एक वक्त में ही चलाया जाएगा। साथ ही सीतापुर, लखीमपुर, रायबरेली, हरदोई के एलयू से संबद्ध 112 कॉलेजों में करीब 7500 छात्र-छात्राएं और शिक्षक भी एक साथ योग करेंगे। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक, आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्माकुमारी, पतंजलि परिवार, गायत्री परिवार और ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को भी इन कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। योग शिविरों में योग जागरूकता, स्वास्थ्य संरक्षण और व्यक्तित्व विकास से संबंधित साहित्य का निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग विशेषज्ञों की निगरानी में इन शिविरों में आम जनता भी इसमें शरीक हो सकती है। इसके अलावा ध्यान शिविर भी लगाए जाएंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

वीसी केयर फंड : धनराशि पांच लाख, 545 दावेदार

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन भी आवेदनों की संख्या देख आश्चर्यचकित

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के सैकड़ों जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की आस वीसी केयर फंड पर टिकी है। कोई परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर परेशान है तो किसी को अगले सेमेस्टर की फीस जमा करनी है, लेकिन इस बार छात्रवृत्ति न मिलने से समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे में वीसी केयर फंड से वित्तीय सहायता लेने के लिए 545 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। जबकि अभी तक फंड में मिली धनराशि का आंकड़ा पांच लाख रुपये पहुंचा है।

हाल ही में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिसर के जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक मदद देने के उद्देश्य से वीसी केयर फंड की शुरुआत की है। इसमें समाज से जुड़ा कोई भी व्यक्ति, पूर्व छात्र, शिक्षक आदि दान स्वरूप मदद कर सकते हैं। इस धनराशि से जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद की जानी है। अब तक पांच लाख रुपये इस फंड में जमा हो चुके हैं, जबकि मदद लेने के लिए 46 दिन में आवेदन की संख्या 545 पहुंच गई है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन भी आवेदनों की संख्या देख आश्चर्य में है। उनका कहना है कि समाज कल्याण से छात्रवृत्ति न आने के कारण अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

> वीसी केयर फंड से मदद लेने के लिए 25 मई तक आवेदन का मौका था। इसमें 545 आवेदन आए हैं। इनमें से ज्यादातर वही विद्यार्थी हैं, जिन्हें समाज कल्याण से छात्रवृत्ति नहीं मिली है। आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग कराई जा रही है। चयन के समय जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों से बात भी की जाएगी।
>
> **प्रो. पूनम टंडन,** अधिष्ठाता छात्र कल्याण, लखनऊ विश्वविद्यालय

दूसरा चरण : शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की शुरुआत

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के दूसरे चरण की शुरुआत गुरुवार से कर दी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने योग्य महिला शोधार्थियों से 15 जून तक https://forms.gle/E}8qqN|zfPvhYiWv~ के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

शैक्षिक सत्र 2020-21 में पहली बार कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोध मेधा छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक है। छात्रवृत्ति की संख्या तथा चयन विशेष रूप से बनाई गई समिति करेगी। इसका निर्धारण आवेदन पत्रों की संख्या एवं धनराशि की उपलब्धता के आधार पर होगा।

तीन वर्ष तक मिलेगी छात्रवृत्ति : छात्रवृत्ति की प्रारंभिक अवधि एक वर्ष के लिए होगी। संबंधित विभागीय अनुसंधान समिति की सिफारिश पर वार्षिक आधार पर दो और वर्षों के लिए बढ़ाई जाएगी। छात्रवृत्ति की निरंतरता के लिए, छात्र की उपस्थिति और शोध प्रगति संतोषजनक होनी चाहिए। इच्छुक शोध छात्राएं डीएसडब्ल्यू के वेब पेज पर दिए गए निर्धारित प्रारूप में आनलाइन गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं।

ये होगी आवेदन की अर्हता

- नेट या नेट-एलएस (लेक्चरर शिप) या फिर गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग)) उत्तीर्ण किया हो।
- पीएचडी लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (मुख्य परिसर) में एक पंजीकृत छात्रा के रूप में दर्ज हो।
- उसे किसी अन्य स्रोत से फेलोशिप या छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिल रही हो।

एलयू में रोज हो रहा चिकित्सीय परीक्षण

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय में योग का नियमित अभ्यास किया जा रहा है। वहीं, स्वास्थ्य प्रतिरोधक क्षमता, सर्वांगीण विकास और प्रसन्नता विषय पर 12 सेमिनारों का भी आयोजन किया जा रहा है। साथ ही विवि के मुख्य परिसर के छात्र कल्याण कार्यालय और नवीन परिसर स्थित योग फैकल्टी में सुबह 8 से 10 बजे तक रोज उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दमा, मोटापा, तनाव, डिप्रेशन, अनिंद्रा आदि रोगों के प्रबंधन के लिए निशुल्क योगिक परामर्श की भी व्यवस्था की गई है। यह सेवा 21 जून तक चालू रहेगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

PIONEER PAGE 3

योग दिवस से पूर्व लखनऊ में 75 स्थानों पर योग शिविर लगायेगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को यादगार बनाने के लिए लखनऊ विवि लखनऊ में 75 स्थानों पर 14 से 21 जून के बीच योग शिविर का आयोजन करेगा। जिससे कैंपस के अतिरिक्त बाहर स्थित जन-समुदाय को भी इसका लाभ प्राप्त हो सके। इन शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा योग के विशेषज्ञों को अतिथि के रूप में आमिन्त्रित किया जाएगा। जिसने आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्माकुमारी, पतंजलि परिवार, गायत्री परिवार तथा ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। योग को लेकर वृहद स्तर पर किए जाने वाले विभिन्न आयोजनों की शुरुआत 28 मई 2022 को शुरू की जा चुकी है। प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे के मध्य विवि में कॉमन योग प्रोटोकॉल का नियमित अभ्यास किया जा रहा है। साथ ही स्वास्थ्य प्रतिरोधक क्षमता, सर्वांगीण विकास और प्रसन्नता विषय पर 12 सेमिनारों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 8 कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये जा रहे हैं। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि विवि से संबद्ध सीतापुर, लखीमपुर, रायबरेली, हरदोई एवं लखनऊ जनपदों में स्थित महाविद्यालयों को इन कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। जिसमे 7500 छात्र एवं अध्यापक एक साथ योग करेंगे। अब तक 112 कॉलेजों से सहभागिता की सहमति प्राप्त हो चुकी है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

लविवि आजादी के महोत्सव के तहत वृहद स्तर पर मनाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आठवें अंतराष्ट्रीय योग दिवस को वृहद स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। योग दिवस को लेकर विश्वविद्यालय में प्रतिदिन कॉमन योग प्रोटोकॉल का नियमित अभ्यास किया जा रहा है। जोकि 21 जून तक जारी रहेगा। स्वास्थ्य प्रतिरोधक क्षमता, सर्वांगीण विकास और प्रसन्नता विषय पर 12 सेमिनारों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए आठ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रसिद्ध विशेषज्ञों का व्याख्यान रहेगा। यह जानकारी कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने दी।

उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा योग का आयोजन किया जा रहा है जोकि अत्यंत उपयोगी है जोकि लोगों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लविवि से संबद्ध सीतापुर, लखीमपुर, रायबरेली, हरदोई एवं लखनऊ जनपदों में स्थित महाविद्यालयों को इन कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। जिसमें 7500 छात्र एवं अध्यापक एक साथ योग करेंगे। अब तक 112 कॉलेजों से सहभागिता की सहमति प्राप्त हो चुकी है।

सफल, स्वस्थ एवं उन्नतशील जीवन के लिए मन की शान्ति आवश्यक है और मन की शान्ति के लिए ध्यान एक महत्वपूर्ण साधन है। योग दिवस के अंतर्गत विशेषज्ञों के माध्यम से ध्यान शिविर भी लगाए जाएंगे, जिससे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं जन सामान्य ध्यान का लाभ प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के द्वारा छात्रों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु योग से सम्बन्धित प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य एवं द्वितीय परिसर में योग के कार्यक्रमों के साथ ही साथ लखनऊ जनपद के 75 स्थानों पर 14 से 21 जून तक योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिससे कैंपस के अलावा बाहर स्थित जन-समुदाय को भी इसका लाभ मिल सके। इन शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं योग के विशेषज्ञों को अतिथि के रूप में आमिन्त्रित किया जाएगा। जिसने आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्माकुमारी, पतंजलि परिवार, गायत्री परिवार तथा ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को भी इन कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। इसके अतिरिक्त योग शिविर में योग जागरूकता, स्वास्थ्य संरक्षण एवं व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित साहित्य का निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा।

एलयू में महिला शोधार्थियों के लिए शोध मेधा छात्रवृति

लखनऊ। शोध को बढ़ावा देने और विशेष रूप से अनुसंधान और विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लखनऊ विवि ने शोध मेधा छात्रवृति के लिए योग्य महिला शोधार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस छात्रवृति की शुरुआत पिछले साल कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा की गई थी ताकि शोध पर विशेष जोर दिया जा सके और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून 2022 रखी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि छात्रवृति की संख्या तथा चुनाव विशेष रूप से बनाई गई समिति द्वारा तय की जाएगी। जो आवेदन पत्रों की संख्या एवं धनराशि की उपलब्धता के आधार पर होगा। नेट,नेट उत्तीर्ण महिला शोधार्थी इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। बशर्ते छात्रा को किसी अन्य स्रोत से फेलोशिप/छात्रवृति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिल रही हो। छात्रवृति की प्रारंभिक अवधि एक वर्ष के लिए होगी और संबंधित विभागीय अनुसंधान समिति की सिफारिश पर वार्षिक आधार पर दो और वर्षों के लिए बढ़ाई जाएगी। छात्रवृति की निरंतरता के लिए, छात्र की उपस्थिति और शोध प्रगति संतोषजनक होनी चाहिए।

योग अभ्यास के साथ ले सकेंगे परामर्श

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 21 जून को होने वाले आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर विभिन्न आयोजन की शुरुआत हो गई है। गुरुवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित योग संकाय में सुबह सात से आठ बजे तक योग अभ्यास कराया गया। कामन योग प्रोटोकाल के तहत 21 जून तक यह अभ्यास कार्यक्रम जारी रहेगा।

योग फैकल्टी के कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के पुराने परिसर स्थित छात्र कल्याण कार्यालय एवं द्वितीय परिसर के योग फैकल्टी में सुबह आठ 8 से 10 बजे के बीच उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दमा, मोटापा तथा तनाव, डिप्रेशन, अनिद्रा इत्यादि रोगों के प्रबंधन के लिए निश्शुल्क योगिक परामर्श की व्यवस्था भी की गई है। जो भी व्यक्ति इन समस्याओं से ग्रसित है, वह संपर्क कर सकते हैं।

7500 किशोर्थी, शिक्षक करेंगे योग : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध सीतापुर, लखीमपुर, रायबरेली, हरदोई एवं लखनऊ स्थित महाविद्यालयों को योग कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है, जिसमें 7500 छात्र एवं अध्यापक एक साथ योग करेंगे। अब तक 112 कालेजों से सहभागिता की सहमति मिल गई है। योग दिवस के अंतर्गत विशेषज्ञों के माध्यम से ध्यान शिविर भी लगाए जाएंगे, जिससे शिक्षक-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं जन सामान्य ध्यान का लाभ प्राप्त कर सकें। 75 स्थानों पर 14 से 21 जून तक योग शिविर लगाए जाएंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर में योग अभ्यास करते लोग ● सौजन्य : लवि

छात्राओं ने किया ताड़ासन, वृक्षासन और पवनमुक्तासन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुरुवार को राजेंद्र नगर स्थित नव्युग कन्या महाविद्यालय के 19वें उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग ने महाविद्यालय प्रांगण में विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया। कार्यक्रम संयोजक एनसीसी अधिकारी मेजर मनमीत कौर सोढी ने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी योग क्रम के अनुसार ही ग्रीवा, स्कंध चालन क्रियाओं से लेकर बैठ कर, खड़े होकर, पेट के बल लेटकर, पीठ के बल लेटकर करने वाले भुजंगासन, मकरासन, भद्रासन, वज्रासन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम-विलोम आदि का योग अभ्यास करवाया। योग दर्शन की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि योग केवल आसन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अष्टांग मार्ग की साधना है।